



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिष्ठित सं प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 25, 1980/माघ 5, 1901

No. 19] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 25, 1980/MAGHA 5, 1901

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1980

सं० एक० 4(1)-इएच० एम०/79.—6 प्रतिशत ऋण, 1988 (चौथा निर्गम) और 7 प्रतिशत ऋण, 2009 (चौथा निर्गम) के लिए 11 फरवरी, 1980 से नकदों में अभिदान स्वीकार किए जाएंगे। जैसे ही यह विदित होगा कि प्राप्त कुल अभिदान राशि अनुमानित 275 करोड़ रुपये (सांकेतिक) तक पहुंच गयी है, बिना सूचना दिए, किन्तु किसी भी दशा में 12 फरवरी, 1980 को कारोबार समाप्त होने से पूर्व, इन निर्गमों को बन्द कर दिया जाएगा। सरकार को 275 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 302.50 करोड़ रुपये (सांकेतिक) से अधिक हो तो आनुपातिक आधार पर ऋणों के संबंध में आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आबंटन के बाद यथाशीघ्र अनिरीक्त अभिदानों की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटाई गई राशि पर कोई ब्याज भरा नहीं किया जाएगा।

3. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 22 नवम्बर, 1988 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6 प्रतिशत ऋण, 1988 (चौथा निर्गम) :—

(i) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 22 नवम्बर, 1988 को सममूल्य पर वापस भरा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 11 फरवरी, 1980 से वार्षिक 6 प्रतिशत होगी। 11 फरवरी से 21 मई, 1980 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 22 मई, 1980 को भरा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 22 नवम्बर और 22 मई को ब्याज भरा किया जाएगा। इस प्रकार भरा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 6 और 7 के उपबंधों के अधीन आय कर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 25 मई, 2009 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7 प्रतिशत ऋण, 2009 (चौथा निर्गम):—

(i) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 25 मई, 2009 को सममूल्य पर वापस भरा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 11 फरवरी, 1980 से वार्षिक 7 प्रतिशत होगी। 11 फरवरी से 24 मई, 1980 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 25 मई, 1980 को भरा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 25 नवम्बर और 25 मई को ब्याज भरा किया जाएगा। इस प्रकार भरा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 6 और 7 के उपबंधों के अधीन आय कर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

5. ब्याज भुदा करने का स्थान—इन श्रेणियों पर भारतीय रिजर्व बैंक के ग्रहमवाबाद, बंगलूर, बंबई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली और पटना में स्थित लोक श्रेण कार्यालयों, भारत में अज्मू और काश्मीर तथा विक्रिम राज्यों की छोड़ कर, अत्यंत किसी राजकोष या उप राजकोष में और अज्मू तथा श्रीनगर में स्थित केन्द्रीय सरकार के वेतन और लेखा कार्यालयों में ब्याज भुदा किया जाएगा।

6. ब्याज भुदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियम द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी भुदायगी उन श्रेण-धारकों को प्राप्त होगी जो कर-पत्र नहीं हैं या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक कर-पत्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पत्र है वह जिले के आय कर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतर दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज भुदा किया जाए।

7. भुदा जारी किये जाने वाले श्रेणों पर और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रुपये की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80E के अन्य उपबन्धों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

8. भुदा जारी किये जाने वाले श्रेणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य, इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निविष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

9. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी:—

(i) स्टॉक प्रमाणपत्र, भुदा

(ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का विशिष्ट उल्लेख न करे तो उसे वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

10. श्रेणों के लिए आवेदनपत्र:—श्रेणों के लिए आवेदनपत्र २० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

11. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे:—

(क) ग्रहमवाबाद, बंगलूर, बंबई, (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में विधे गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

12. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें आवेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक के पूरे नाम और पते तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की भुदायगी की भुदा करता हो।

13. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राधृत किये जाने चाहिए।

14. स्वीकृत बैंकों और बलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मोहरयुक्त श्रेण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति २० 100 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर बलाली भुदा की जाएगी।

बलाली की भुदायगी के लिए बाबा श्रेण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर भुदायगी कार्यालयों में पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से
अखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव।

आवेदनपत्र का फार्म

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम बड़े अक्षरों में)

इसके साथ रुपये (रुपये)
नकदी*/चेक* में प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* वचनपत्र (पत्रों)†/स्टॉक प्रमाणपत्र* के रूप में
..... रूपों के सांकेतिक मूल्य के 6 प्रतिशत श्रेण 1988*
(बोधा निर्गम)/7 प्रतिशत श्रेण 2009* (बोधा निर्गम) की प्रतिभूतियां नीचे दिये गये मूल्य वर्ग/वर्षों में जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रुपये के मूल्य के वचनपत्र
प्रति वचनपत्र रुपये के मूल्य के वचनपत्र
प्रति वचनपत्र रुपये के मूल्य के वचनपत्र

2. मैं/हम* यह बाह्ता हूँ/बाहते हैं कि उनका ब्याज
वेय हो।

वर्णन टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। सारी प्रवि-
ष्टियां लोक श्रेण कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

आवेदन पत्र सं.	छोट हस्ताक्षर	दिनांक
“बलाली नहीं” मुहर		हस्ताक्षर
नकदी प्राप्त होने की तारीख		पूरा (पूरे) नाम (बड़े अक्षरों में)
चेक बमूल होने की तारीख		
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख		
जोष की गयी		पता
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया		दिनांक फरवरी, 1980
मांग पत्र सं.		
प्रतिभूति सं.		
काई सं.		
..... को वाउचर		
पारित किया गया		

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

†२० 100, २० 200, २० 500, २० 1,000, २० 5,000,
२० 10,000, २० 25,000, २० 50,000, और २० 1,00,000
के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे। जो मुख्य वर्ग
अपेक्षित हो/हों उसका/उनका उल्लेख यहां किया जाए।

टिप्पणियां:

(1) प्रत्येक श्रेण और अपेक्षित नये श्रेण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक के हस्ताक्षर प्रगुटे के निशान के रूप में हों तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि

वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों, संलग्न किये जाएं :

- (i) नियमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के साथ जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा सत्य प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि।
- (ii) मंश का ज्ञापन पत्र और घननियम या कंपनी/निकाय के नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
- (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेन-देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति/व्यक्तियों के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि तथा उसके/उनके विधिवत स्थापित नमूना हस्ताक्षर।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छाहरी व्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) आवेदन फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th January, 1980

No. F. 4(1)-W&M/79.—Subscriptions for the issues of 6 per cent Loan, 1988 (Fourth Issue) and 7 per cent Loan, 2009 (Fourth Issue) will be received from the 11th February, 1980 in the form of cash. The issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions amount approximately to Rs. 275 crores (Nominal) and in any case not later than the close of business on the 12th February, 1980. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 275 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 302.50 crores (Nominal), partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3.6 per cent Loan, 1988 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 22nd November, 1988.

- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 22nd November, 1988.
 - (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
 - (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6 per cent per annum from 11th February, 1980. Interest for the period 11th February to 21st May, 1980 (inclusive) will be paid on 22nd May, 1980 and thereafter interest will be paid half-yearly on 22nd November and 22nd May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 4.7 per cent Loan, 2009 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 25th May, 2009.
- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 25th May, 2009.
 - (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7 per cent per annum from 11th February, 1980. Interest for the period 11th February to 24th May, 1980 (inclusive) will be paid on 25th May, 1980 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 25th November and 25th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Place of payment of interest.—Interest on the loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim, and at the Central Government's Pay and Accounts Offices at Jammu and Srinagar.

6. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Act) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain on application, a certificate from the Income-tax Officers of the district authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

7. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from Income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

8. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-Tax Act will also be exempted from the Wealth tax upto Rs. 1,50,000.

9. The security will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates, or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

10. Applications for the loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

11. Applications will be received at—

- (a) offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and
- (b) branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the offices at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,
A. C. TIWARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*
(Full name (s) in Block Letters)

.....herewith
tender *Cash/*Cheques for Rs. (Rupees

and request that securities of 6 per cent Loan, 1988 (Fourth Issue)*/7 per cent Loan, 2009 (Fourth Issue)* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of Promissory Note (s)†/ *Stock Certificate in the denomination/(s) stated below :—

.....Promissory note (s) of Rs.each
.....Promissory Note (s) of Rs.each
.....Promissory Note (s) of Rs.each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B. The applicant should not write any thing in this cage. The entries will be filled in by the Public Debt Office.		
Application No.	Initials	Date
N. B. Stamp.		
cash received on		
cheque realised on		
credited to special Current Account on		
Examined		
Cash application		
Register posted		
Brokerage Register		
Posted		
Indent No.		
Scrip No.		
Card No.		
Voucher passed on		

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000 State here the particular denomination(s) required.

NOTES :—

(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the application's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of a registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the company/body.

(iii) Certified copies of Memorandum and Articles of person(s) authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.